पुरखों को पानी देकर किया दान-पुण्य

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 7 सितम्बर. सुबह होते ही लोगों ने तालाबों एवं जलाशयों पर पहुंचकर पितरों को पानी दिया। पितरों को पानी देने कटोराताल पहुंचे लोगों को अव्यवस्थाओं के चलते परेशानी का सामना करना पड़ा। नगर निगम द्वारा कटोराताल स्थित छोटे तालाब में तर्पण के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। पितरों की आत्मशांति के लिए जलाशयों पर दाब हाथ में लेकर पानी के बीचों-बीच पितरों की शांति के लिए तर्पण किया। रविवार से श्राद्ध पक्ष शुरू हो गए जो 21 सितंबर तक सर्व पितृ मोक्ष अमावस्या तक चलेंगे। श्राद्ध पक्ष के दौरान शुभ कार्यों पर रोक लग गई हैं और बाजारों में नई वस्तुओं की खरीदारी नहीं होगी। शहर के कारोबारियों को अब नवरात्रि तक ग्राहकों का इंतजार करना पड़ेगा। श्राद्ध पक्ष के दौरान आत्मा की शांति के लिए अनुष्ठान, पूजा कर ब्राह्मणों को भोजन कराया जा रहा है।

जगह-जगह सजी दुकानें- पितृ पक्ष का सामान बेचने के लिए शहर में जगह-जगह अस्थायी दुकानें सजी हुई हैं। पूजन से पहले यहां आकर लोग विभिन्न सामग्री की खरीदारी की गई।

इमरती, मंगोड़े की मांग- पितृ पक्ष शुरू होने के साथ ही बाजारों में इमरती और मंगोड़े की मांग बढ़ गई है पितरों की आत्मशांति के लिए विधि विधान के साथ पूजा अर्चना करते हुए श्वान को इमरती और मंगोड़े खिलाए जा रहे हैं। पितृ पक्ष में दान करने के साथ-साथ कुत्ते को इमरती और मंगोड़े खिलाने से पितृ खुश होते हैं।

कौवे की जगह-जगह होने लगी पूछ-परख- श्राद्ध पक्ष शुरू होते ही ब्राह्मणों के साथ कोवो की भी पूछ-परख होने लगी है। श्राद्ध पक्ष के दौरान पितरों की आत्मशांति के लिए घरों में व्यंजन बनाए जा रहे हैं और विधि विधान के साथ पितरों को खुश करने के लिए ब्राह्मणों को भोजन कराकर दान, पुण्य किया जा रहा है। इसके अलावा गायों और श्वान को भोजन करा रहे हैं।

सुबह पांच बजे से सरोवरों पर पहुंचना शुरू हुए लोग- शहर के विभिन्न तालों पर सुबह 7 बजे से तर्पण करने वाले पहुंचना शुरू हो गए और अपने पितरों की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए विधि विधान के साथ तर्पण किया।

हालांकि कटोराताल पहुंचने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इसके अलावा जनकताल और लक्ष्मण तलैया में लोगों ने तर्पण किया। यहां पर विद्वानों ने मंत्रोच्चार के साथ तर्पण कराया। रविवार को श्राद्ध का पहला दिन था। श्राद्ध पक्ष 21 सितंबर तक सर्व पितृ मोक्ष अमावस्या तक चलेंगे।

कुंडली में पितृ दोष के लिए किया श्राद्ध

जिन जातकों की कुंडली में पितृ दोष है उन्होंने इससे मुक्ति के लिए श्राद्ध और तर्पण किया। पितृ पक्ष में पितर संबंधित कार्य करने से व्यक्ति का जीवन खुशियों से भर जाता है। इस पक्ष में श्राद्ध तर्पण करने से पितृ प्रसन्न होते हैं और आशीर्वाद देते हैं। जन्म पत्रिका में पितृ दोष है वह इस दोष का निवारण पितरों की आत्मशांति के लिए कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि पितृ पक्ष के दौरान अपने पितरों को याद करने के साथ ही उनके निमित पिंडदान, तर्पण और श्राद्ध आदि कर आस्था प्रकट करना चाहिए। उन्होंने बताया कि श्राद्ध में काले तिल, जौ और दाब से सूर्य को अर्घ्य देकर तर्पण करने का विधान है। जिस तिथि में पूर्वज गए हैं उसी तिथि में गरीबों, ब्राह्मणों को भोजन कराएं और वस्त्र दान करें जिससे परिवार में खुशहाली रहेगी और पितरों का आशीर्वाद मिलेगा।

हाथी पर सवार होकर आएंगी मां दुर्गा

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 7 सितम्बर. शारदीय नवरात्रि का शुभारंभआश्विन शुक्ल प्रतिपदा तिथि से है। इस बार मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर आ रही हैं। इस साल कलश स्थापना के लिए 3 मुहूर्त हैं। यह नवरात्रि 10 दिनों की होगी। इस साल शारदीय नवरात्रि में मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर धरती पर आएंगी। शारदीय नवरात्रि का शुभारंभआश्विन शुक्ल प्रतिपदा तिथि से है। शारदीय नवरात्रि का शुभारंभ आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से होता है। शारदीय नवरात्रि 8, 9 या 10 दिनों की हो सकती है। तिथियों के कम या ज्यादा होने की स्थिति में ऐसा होता है। इस साल शारदीय नवरात्रि में मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर धरती पर आएंगी। हर बार दिन के अनुसार मातारानी की सवारी या वाहन बदल जाता है। शारदीय नवरात्रि के पहले दिन कलश स्थापना करते हैं, उसके साथ ही दुर्गा पूजा प्रारंभ हो जाती है। नवरात्रि के पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा करते हैं।

21 की रात में आएगी तिथि

शारदीय नवरात्रि के लिए आश्विन शुक्ल प्रतिपदा तिथि का शुभारंभ 21 सितंबर दिन रविवार को रात 9 बजकर 24 मिनट पर होगा। इस तिथि का समापन 22 सितंबर दिन सोमवार को रात 9 बजकर 18 मिनट पर होगा। ऐसे में उदयातिथि के आधार पर शारदीय नवरात्रि 22 सितंबर सोमवार से शुरू हो रही है।

शारदीय नवरात्रि कलश स्थापना मुहूर्त

इस साल 22 सितंबर को शारदीय नवरात्रि की कलश स्थापना का शुभ मुहूर्त सुबह 6 बजकर 19 मिनट से सुबह 7 बजकर 49 मिनट तक है। उसके बाद कलश स्थापना मुहूर्त सुबह 9 बजकर 14 मिनट से सुबह 10 बजकर 45 मिनट तक है। वहीं कलश स्थापना का अभिजीत मुहूर्त दिन में 11 बजकर 55 मिनट से दोपहर 12 बजकर 43 मिनट तक है।

धनधान्य में होगी वृद्धि

इस साल शारदीय नवरात्रि में मां दुर्गा का आगमन गज यानि हाथी पर हो रहा है। हाथी को शुभ माना जाता है। ऐसे में हाथी पर मां दुर्गा का आगमन उनके भक्तों के धन और धान्य में बढ़ोत्तरी करने वाला है। यह अच्छी वर्षा का भी संकेत है।

10 दिनों की है शारदीय नवरात्रि

ज्योतिषाचार्य के अनुसार इस बार की शारदीय नवरात्रि 10 दिनों की है क्योंकि शारदीय नवरात्रि में चतुर्थी तिथि दो दिन हो रही है। प्रत्येक दिन करें श्री दुर्गा चालीसा पाठ करन से मां जगदम्बा भवानी भक्तों के सभी दुख दूर करती हैं।

ठहरी बारिशस, खिली धूप, मौसम में आया बदलाव

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 7 सितम्बर. रविवार को बारिश थमी रही, जिससे सुबह से धूप खिल उठी। धूप के खिलने से आमजनों को एक ओर जहां राहत मिली है, वहीं दूसरी ओर इससे तापमान में भी बदलाव दिखने लगा है। शुक्रवार तक जहां लोग रात में चादर ओढ़कर सो रहे थे, वहीं रविवार को लोगों को गर्मी का अहसास हो रहा है। मौसम में अचानक आ रहे इस बदलाव के कारण मौसमी बीमरियों एवं मच्छरों के पनपने का खतरा बना हुआ है। मौसम में बदलाव के कारण मच्छरों की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है। मौसम में आ रहे बदलाव के कारण रविवार सुबह 8.30 बजे का तापमान 28 डिग्री दर्ज किया गया। सुबह से ही सुहानी धूप खिली हुई है, जिसके कारण लोगों को राहत मिली है, क्योंकि लगातार हो रही बारिश के कारण आमजनों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। लगातार बारिश के कारण लोगों के मकानों की छतों से पानी रिसने लगा था। बारिश थमने से जहां लोगों को राहत है, वहीं धूप खिलने से लोगों को अब गर्मी भी सता रही है, थोड़ी देर धूप में निकलने पर लोगों को अब पसीना महसूस हो रहा है। वहीं उमस में बढ़ोतरी होने से लोगों को अधिक पसीना आ रहा है।

खिला रहेगा मौसम

मौसम विभाग के अनुसार अभी मौसम खिला रहेगा, जिससे आमजनों को राहत मिलेगी। क्योंकि अभी ऐसा सिस्टम नहीं बन रहा है जिससे बारिश के आसार दिखें।

मच्छरजनित बीमारियां बढ़ने का खतरा

लगातार बारिश के कारण शहर का एक भी जलाशय, गड्ढा ऐसा नहीं है, जहां पर पानी नहीं भरा हुआ है। ऐसे में धूप निकलने से होने वाले तापमान में बढ़ोतरी से मच्छर तेजी से पनपेंगे। इससे लोगों को मलेरिया, डेंगू इत्यादि मच्छरजनित बीमारियां होने का खतरा उत्पन्न हो गया है।

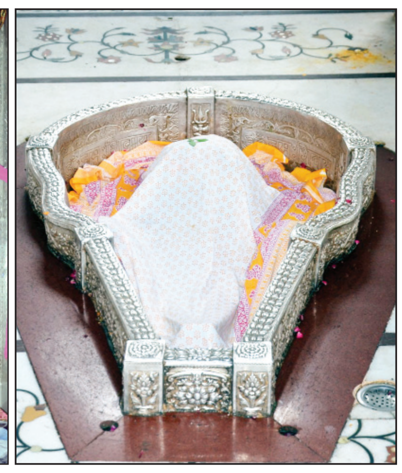

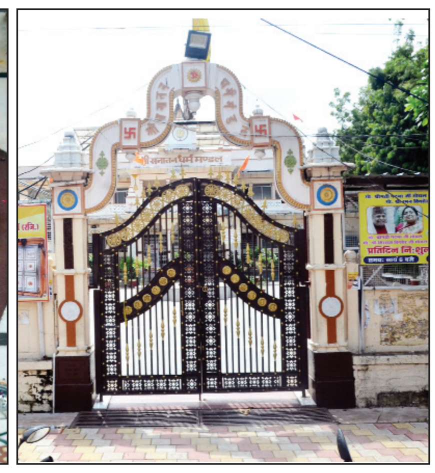

ग्रहण रात को लगा, दोपहर में सूतक लगते ही बंद हुए मंदिरों के पट

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 7 सितम्बर. पितृ पक्ष का पहला दिन ग्रहण के साथ शुरू हुआ। ग्रहण का सूतक दोपहर में लग गया। इसके चलते जिन घरों में श्राद्ध थे वे भी दोपहर 12 बजे से पहले ही ब्राह्मणों को भोजन कराकर और दान दक्षिणा देकर निवृत्त हो गए। सूतक से पहले ही सभी मंदिरों के कपाट बंद हो गए। इस दौरान मंदिरों में भजन-कीर्तन गूंजते रहे।

पितृपक्ष की शुरुआत रविवार को पूर्णिमा तिथि को ग्रहण से हुई। जिन परिवारों में श्राद्ध थे उनके यहां सभी कार्य 12 बजे से पहले ही पूर्ण हो गए। 12.57 बजे से सूतक शुरू हो गया। सूतक से पहले ही मंदिरों के पट बंद हो गए।

पितृपक्ष की शुरुआत पर रविवार रात खग्रास चंद्र ग्रहण रहा। ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार, पितृपक्ष में इस तरह दो ग्रहण का एक साथ आना अत्यंत दुर्लभ योग माना जाता है, जो सौ वर्षों में शायद ही कभी होता है। चंद्र ग्रहण भारत में अधिकांश क्षेत्रों में दिखाई देगा, इसलिए सूतक काल मान्य रहेगा। वहीं 21 सितंबर को सर्व पितृमोक्ष अमावस्या पर सूर्य ग्रहण रहेगा। हालांकि सूर्य ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देने के कारण सूतक काल भी मान्य नहीं होगा और इसका विशेष प्रभाव भी नहीं रहेगा। चंद्र ग्रहण कुंभ राशि में रहेगा।

रात 9 बजे से लगा ग्रहण

इस साल पितृपक्ष के पहले दिन पूर्णिमा श्राद्ध पर चंद्रग्रहण रात 9 बजे शुरू होकर रात 01 बजकर 27 मिनट तक रहा।

पेंशनर्स महासंघ का संयुक्त प्रांतीय अधिवेशन 20 को

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 7 सितम्बर. भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ मध्य प्रदेश एवं पेंशनर एसोसिएशन एक मंच एक आवाज मध्य प्रदेश का संयुक्त प्रांतीय अधिवेशन 20 सितंबर को प्रातः 11 बजे से वालभवन स्टेशन के पास ग्वालियर में आयोजित किया जाएगा। अधिवेशन की अध्यक्षता केरल के सी एच सुरेश राष्ट्रीय अध्यक्ष करेंगे एवं विशेष अतिथि के रूप में पंजाब के कुलबीर सिंह संधू प्रांताध्यक्ष भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ पंजाब, महेंद्र सिंह तोमर आईजी से. नि. प्रांतीय संरक्षक, उपेंद्रनाथ शर्मा आईएएस से. नि. प्रांतीय मुख्य सलाहकार पेंशनर एसोसिएशन एक मंच एक आवाज मध्य प्रदेश उपस्थित रहेंगे.

आयुष्मान कार्ड एवं निशुल्क स्वास्थ परीक्षण शिविर लगाया जाएगा

अधिवेशन में पेंशनर्स के लिए सबसे बड़ी बाधा धारा 49(6) को समाप्त करने , राज्य के पेंशनर्स को केंद्र की घोषणा के साथ ही डीआर प्रदान करने , पेंशनर्स को 10 लाख तक की कैशलेश चिकित्सा सुविधा प्रदान करने, रेल बस हवाई यात्रा में 50 प्रतिशत की छूट प्रदान करने , पेंशनर्स की आय इनकम टैक्स से मुक्त करने , वैलेडिटी पेंशन संशोधन कानून 2025 , आठवें वेतन आयोग आदि अन्य विषयों पर मंथन किया जाएगा तथा आगामी रणनीति तैयार की जाएगी । साथ ही अधिवेशन में विशेषज्ञों द्वारा फैमिली पेंशन , आयकर , वैलेडिटी पेंशन संशोधन कानून 2025 , धारा 49 (6) , 8 वें वेतन आयोग तथा अन्य विषयों पर जो पेंशनर्स एवं उनके परिवार को जानना जरूरी हैं के बारे में विस्तार से बताया जाएगा । अधिवेशन स्थल पर आयुष्मान कार्ड एवं निशुल्क स्वास्थ परीक्षण शिविर लगाया जाएगा साथ ही निशुल्क दवा वितरित भी की जाएगी ।

पदाधिकारियों ने की शामिल होने की अपील

अपील करने बालों में आर एस तरेटिया राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रांताध्यक्ष मध्य प्रदेश भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ एवं गीता भारद्वाज प्रांताध्यक्ष पेंशनर एसोसिएशन एक मंच एक आवाज मध्य प्रदेश, नरेंद्र भार्गव कार्यकारी प्रांताध्यक्ष, नरेश शर्मा कार्यकारी प्रांताध्यक्ष एक मंच एक आवाज, डॉक्टर जे पी एस कुशवाह प्रांतीय संयोजक चिकित्सा प्रकोष्ठ , डॉक्टर एस एस जादौन प्रांतीय संयोजक चिकित्सा प्रकोष्ठ एक मंच एक आवाज , आर पी कोरी प्रांतीय महासचिव कैलाश बाबू आर्य, आर के एस तोमर, महेश तोमर मुरैना, शंकर दयाल श्रीवास्तव सागर, एन पी माहोर भोपाल, दृग सिंह मौर्य, शिव नारायण यादव आदि शामिल हैं.

एमिटी विवि में टेक्नोलॉजिकल इनोवेशन एंड एनवायरनमेंटल सस्टेनेबिलिटी पर सम्मेलन आयोजित

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 7 सितम्बर. एमिटी विश्वविद्यालय मध्य प्रदेश के पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा तकनीकी नवाचार एवं पर्यावरणीय स्थिरता पर तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें देशभर से शिक्षाविद्, शोधकर्ता और छात्र सम्मिलित हुए तथा नवीनतम प्रौद्योगिकियों एवं पर्यावरणीय स्थिरता से जुड़े विषयों पर गहन विचार-विमर्श किया।

उद्घाटन सत्र में कुलगुरु प्रो. (डॉ.) आर. एस. तोमर ने उद्बोधन दिया। इस अवसर पर प्रो चांसलर लेफ्टिनेंट जनरल वी. के. शर्मा, एवीएसएम (सेवानिवृत्त) ने भी मार्गदर्शन प्रदान किया।

सम्मेलन के मुख्य अतिथि प्रो. प्रदीप कुमार मिश्रा, पूर्व कुलपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय, ने प्रौद्योगिकी नवप्रवर्तन और पर्यावरणीय स्थिरता पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। वहीं विशिष्ट अतिथि प्रो. कस्तूरी मुखोपाध्याय (जेएनयू) ने पर्यावरणीय एंटीमाइक्रोबियल रेज़िस्टेंस पर विचार साझा किए। इस अवसर पर सम्मेलन की सारांश पुस्तक, स्मरणिका और ई-न्यूज़लेटर अमी-एनवायरन का विमोचन किया गया।

दोपहर में आयोजित तकनीकी सत्रों में देशभर से आए विशेषज्ञों एवं शोधार्थियों ने 90 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए। साथ ही 133 छात्रों ने पोस्टर प्रतियोगिता में भाग लिया। सम्मेलन में उत्कृष्ट शोध कार्यों को पुरस्कृत किया गया। जिसमें प्रथम पुरस्कार गरिमा यादव, बनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान, द्वितीय पुरस्कार प्रदीप कुमार, गवर्नमेंट मॉडल साइंस कॉलेज, ग्वालियर, तृतीय पुरस्कार बाबुद्दीन अहमद, राजा बलवंत सिंह कॉलेज, आगरा एवं सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति का पुरस्कार भव्यजोत सिंह सेठी, उर्वशी और सेजल को मिला। समापन सत्र में नगर निगम ग्वालियर के उपायुक्त अमर सत्य गुप्ता और प्रो वाइस चांसलर प्रो. (डॉ.) एम. पी. कौशिक ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। अंत में प्रो. (डॉ.) स्वप्निल राय ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में एमिटी विश्विधालय के कुलसचिव डॉ राजेश जैन एवं सभी संकाय प्रमुख एवं विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

परमार्थ आश्रम में श्रीमद् भागवत कथा 2 नवंबर से

ग्वालियर 7 सितम्बर. परमार्थ आश्रम के तत्वावधान में हो रहे श्रीमद् भागवत कथा एवं 21 कन्याओं के निशुल्क विवाह के संबंध में मीटिंग रखी गई। जिसमें रतन कॉलोनी कम्युनिटी हॉल में सभी ने मिलकर विचार किया। कन्या विवाह के संबंध में परमार्थ आश्रम के विभाग संत समर्थ महाराज ने बताया कि प्रति 2 वर्ष में कन्याओं का निशुल्क विवाह कराया जाता है, जिसमें किसी प्रकार का कन्या व वर पक्ष से कोई सहयोग नहीं लिया जाता है, जो कथाओं एवं भक्तों के सहयोग से राशि प्राप्त होती है। उसी से कन्याओं का निशुल्क विवाह कार्य संपन्न कराया जाता है। इस बार की कथा 2 नवंबर से 9 नवंबर तक रहेगी। 2 नवंबर को कलश यात्रा और 9 नवंबर को हवन, भंडारा एवं कन्याओं का विवाह रहेगा। जिसमें मुख्य रूप से परीक्षित श्रीमती रामा बाई पाल एवं श्रीमती सपना आकाश पाल रहेंगे। इस मीटिंग में पूर्व सभापति गंगाराम बघेल, राजकुमार प्रजापति, कन्हैयालाल मित्तल, पुरुषोत्तम महाराज, मनीष कृष्ण शास्त्री, मलखान सिंह परिहार, भगवान लाल झा एवं समस्त भक्त गण उपस्थित रहे।